(suppress) किया जा रहा है । मैं नहीं समझता कि उनके सपरैशन के क्या माने हैं । मैं उन से मालूम करना चाहता हूं कि वहां पर किसको सपरैस किया गया है । क्या वह आई० एन० ए० वालों के बारे में कह रहे हैं कि उनको सपरैस किया गया है । तो मैं उनके सामने एक मिसाल नहीं कितनी ही मिसालें दे सकता हूं जिससे उनका यह बयान बिल्कुल गलत साबित हो सकता है । आज हमारे बीच में शाहनवाज और श्री भोसले मौजूद नहीं हैं क्या वह इसी को सपरैशन कहते हैं । ये लोग ही नहीं और बहुत से हमारे आई० एन० ए० वाले आज बड़े २ ओहदों में काम कर रहे हैं, जैसा कि अभी हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी ने कहा । मगर फिर भी हमारे रेड्डी साहब कहते हैं कि यह सरकार आई० एन० ए० वालों को सपरैस कर रही है और यह "गाड्स ट्रूथ" (God's Truth) है ! मगर मैं समझता हूं कि उनका यह कहना कि हमारी सरकार पैट्रीएटस को सपरैस कर रही है सच्चाई से दूर है ।

दूसरी बात जो उन्होंने फरमाई वह यह है कि जो प्लैज (pledge) इस विषय में दिये गये थे वह इस सरकार ने पूरे नहीं किये । मगर उन्होंने इस बारे में एक भी मिसाल हम लोगों के सामने पेश नहीं की कि इस सरकार ने कहां पर और कैसे किसी प्लैज को तोड़ा है । यह सब को मालूम है कि कांग्रेस ने आई० एन० ए० वालों के साथ हमदर्दी की और आज भी हमदर्दी रखती है और आगे भी जितना उससे हो सकेगा उनकी मदद करती जायगी उसने जो भी प्लैज उनके साथ किया है वह बराबर निभाती रही है और फिर यह कहना कि इस सरकार ने वायदा तोड़ा है और उनकी किसी प्रकार मदद नहीं की बिल्कुल गलत बात है ।

एक चीज उन्होंने यह भी कही कि यह सरकार दूसरी राजनैतिक लोगों को और सैनिकों को हजारों एकड़ जमीन दे रही है । मैं नहीं जानता कि वह किस प्रान्त में और किस देश में इस तरह की जमीन दी जा रही है। वह यहां पर जोरों के साथ कहते हैं कि आई० एन० ए० वालों के साथ सपरैशन किया जा रहा है मगर वह इस तरह की कोई भी मिसाल पेश नहीं करते हैं । यह हाउस और हम भी उन से यह पूछने का हक रखते हैं कि वह हम लोगों के सामने बतलायें और मिसाल पेश करें । वह यहां पर जोर २ से कहते हैं कि हजार हजार एकड़ जमीन राजनैतिक कैदियों और दूसरे लोगों को दी गई जिन्होंने इस देश की आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया मगर उन्होंने इस बात की एक भी मिसाल पेश नहीं की कि किस प्रान्त में जमीनें दी गई ।

SHRI S..N. DWIVEDY:

श्री एस० एन० द्विवेदी : मद्रास में दी गई हैं ।

SHRt **ONKAft NATRi**

श्री ओंकार नाथ : यह बात ठीक है कि कुछ लोगों को जमीनें दी गई हैं मगर जैसा कि अभी हमारे प्रधान मंत्री जी ने बताया है कि आई० एन० ए० वालों को भी इसी तरह की जमीनें दी गई हैं और उनकी हर तरह से मदद की गई । जितनी आई० एन० ए० वालों की मदद की गई है उतनी शायद किसी के लिये की गई हो। जिस तरह से सन् १९२० से इस देश में आजादी की लड़ाई में लोगों ने अपनी जानें दी हैं और नुकसान उठाया है अगर उसका अन्दाजा लगाया जाय तो करीब लाखों तक संख्या पहुंचेगी तो क्या हमारी गवर्नमेंट ने इन तमाम आजादी के लिए लड़ने वाले सिपाहियों के लिए किसी प्रकार की मदद पहुंचाई ?